

00022

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

पी.जी.डी.टी. - 02 : अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

भाग - I

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. शब्द के विविध वर्गों का परिचय देते हुए शब्द - रचना के उपादानों पर प्रकाश डालिए। 20
2. पारिभाषिक शब्द के लक्षण बताते हुए सामान्य शब्दों तथा तकनीकी शब्दों में समानता तथा अंतर बताइए। 20
3. बहुभाषिक समाज में अनुवाद के विविध क्षेत्र कौन-कौन से हैं? विवेचन कीजिए। 20
4. पाठ्य सामग्री निर्माण में अनुवाद की आवश्यकता किन-किन स्तरों पर पड़ती है? स्पष्ट कीजिए। 20

5. मूल्यांकन सामग्री का स्वरूप स्पष्ट करते हुए मूल्यांकन सामग्री के अनुवाद के महत्व एवं अपेक्षाओं पर विचार कीजिए। 20

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 10x2=20

- (a) दूर शिक्षा सामग्री निर्माण
- (b) भाषा संरचना और अनुवाद
- (c) जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में अनुवाद
- (d) शिक्षा माध्यम और अनुवाद

## भाग - II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

7. निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 20

In a developing country like India about half of its population is illiterate. The campaign 'Education for All' has so far remained a distant dream. India produces the best of doctors and engineers in the world. It is a country of software exporter to U.S.A. and Europe, but still India remains educationally a backward nation. It is a shocking contrast (विरोधाभास). The reality bites everyone. Economic backwardness and educational backwardness go together Bihar, Orissa, Assam, Nagaland and Kashmir are semi literate states. Unfortunately the primary education in India hasn't been given the primacy it deserves. Only universal and purposeful education can lead India on to the high road of progress and prosperity.

8. निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 10
- भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य का बहुमुखी विकास रहा है। प्राचीन शिक्षा केवल आत्मतुष्टि के लिए नहीं थी। शिक्षा व्यक्ति को समाज से और समष्टि से जोड़ती थी। व्यक्ति के विकास में समाज का विकास है और समाज के विकास में व्यक्ति का विकास है। इसलिए शिक्षा केवल व्यक्ति की उन्नति में सहायक न हो अपितु वह समाज की उन्नति में सहायता प्रदान करे, इस पर ध्यान दिया जाता था। आजकल शिक्षा संस्थाओं में दी जानेवाली शिक्षा उस सबका एक छोटा-सा अंग है, जो मनुष्य अपने जीवन में सीखता है।
9. निम्नलिखित प्रश्न-पत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

## **BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME**

### **Term - End Examination**

**December, 2006**

### **ELECTIVE COURSE : PUBLIC ADMINISTRATION**

#### **EPA - 5 : FINANCIAL ADMINISTRATION**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

Answer **any two** of the following questions in about **500** words each. Each question carries **25** marks.

### **SECTION - I**

1. Discuss the meaning of financial administration and identify its components.
2. Discuss the important objectives of fiscal policy (राजकोषीय नीति).

3. Explain the various categories of government expenditure.
4. Explain the concept and meaning of deficit (घाटे) financing. Discuss its role in financing economic development.

## SECTION - II

Answer **any three** of the following questions in about **250** words each. Each question carries **10** marks.

5. Briefly explain the tools of exercising legislative control (विधायी नियंत्रण).
  6. Write a note on Revised Accounting Structure (लेखाशास्त्र की संशोधित संरचना).
  7. Discuss the basic features of Federalism (संघवाद).
  8. Write a note on the composition and functions of Estimates Committee (प्राक्कलन समिति).
-